सं ग्रो॰वि॰/पानीपत/91-85/564.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि में हरियाणा भूमि सुधार विकास निगम लि॰ सैक्टर-17-सी, चन्डीगढ़, के श्रमिक श्री जितन्दर सोढ़ी तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई, श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रेव, ग्रांचोंगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिविस्चना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैंन, 1984, द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच याती विवाद- ग्रस्त मामला है या उससे मुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री जितन्द्र सोढी, सेपुत श्रिजंन सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं भो वि । रोहतक | 140-85 | 570 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) हरियाणा राज्ज परिवहन आयुक्त, चन्डीगढ़, (2) जनरल मैंनेजर, हरियाणा रोड़वेज, रोहतक, के श्रीमिक श्री हरीण राम तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई प्रौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रोद्योगिक विवाद श्रीधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधसूचना सं० 9641-1-श्रम/78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी श्रिधनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के दीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है :---

क्याश्री हरीश राम सपुत्र श्री खेम राम की सेवाग्रों का समापन ^{दि}यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो बह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 15 जनवरी, 1986

सं. भो.वि./भिवानी/66-85/1973 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है, कि मैं०(1) सहायक, निदेशक भेड व ऊन विकास हरियाणा भिवानी (2) दी स्टाक असिसटैन्ट इन्चार्ज शीप इण्ड वूलएस टैन्शन सन्टर डी आर डी.ए., तहसील एण्ड जिला सिरसा के अभिक श्री जसबीर सिंह तथा उसके प्रबन्धकों ने मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई घौद्योगिक त्रिवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायणिय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं ;

इसलिए, धब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसूचना सं. 9641-1-श्रम, 78-32573 दिनांक 6 नवस्वर 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रधिसूचना की घारा 7 के प्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला या इससे सुसंगत प्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री जसबीर सिंह सुपुत्र व्युरदयाल सिंह की सेवाझों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो.वि./भिवानी/158-85/1980.—-चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं प्रशासक नगरपालिका तोशाम के श्रमिक श्री रोहतास सिंह तथा उसके प्रवन्त्रकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भोदयोगिक विवाद है;

मोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, भौद्योगिक विवाद मिश्चितियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड- (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी मिश्चित्त्वना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवस्वर 1970, के साथ गठित सरकारी प्रधिसूचना की धारा 7 के प्रश्नीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जं। कि उनत प्रबन्धकों तथा अभिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद सम्बन्धित अधवा सम्बन्धित सामला है:—

क्या श्री रोहतास सिंह सुपुत्र श्री राम सरुप की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो बहु किस राहुत का हुकदार है ?